बी. ए. द्वितीय वर्ष
समाज और अपराध

प्रथम प्रश्नपत्र

खण्ड (1)

अध्याय– 1 अपराध : अवधारणा एवं कारण

अपराध की अवधरणा, अपराध की परिभाषाएँ, अपराध के लक्षण या विशेषताएँ, अपराध का वर्गीकरण, अपराध का उत्तरदायित्व, व्यक्ति – उत्तरदायी, समाज – उत्तरदायी, अपराध के सामान्य कारण

अध्याय– 2 अपराध के प्रकार

अपराध का अर्थ एवं परिभाषाएँ, ग्रामीण अपराध, ग्रामीण अपराध के कारण, नगरीय अपराध, नगरीय अपराध के कारण, बाल अपराध, अपराध और बाल अपराध में अन्तर, बाल अपराध के कारण, भारत में सामाजिक समस्या के रूप में बाल–अपराध, सामाजिक विघटन बनाम सामाजिक स्थिरता

अध्याय– 3 अपराध के सम्प्रदाय

पूर्व–शास्त्रीय सम्प्रदाय, शास्त्रीय सम्प्रदाय, नवशास्त्रीय सम्प्रदाय, साकारवादी सम्प्रदाय, मनोवैज्ञानिक सम्प्रदाय, आधुनिक अवधारण

खण्ड (2)

अध्याय– 4 सामाजिक संरचना एवं अप्रतिमानता

सामाजिक संरचना, संरचना का अर्थ एवं परिभाषाएँ, सामाजिक संरचना की प्रक्रिया, वाल्ट डब्ल्यू रोस्टोव का सिद्धांत, अप्रतिमानता की अवधरणा, अप्रतिमानता की परिभाषाएँ, अप्रतिमानता की विशेषताएँ, अप्रतिमानता के कारण, अप्रतिमानता को रोकने के उपाय, अप्रतिमानता का समाजशास्त्रीय महत्व

अध्याय– 5 आत्महत्या

आत्महत्या का अर्थ, भारत में आत्महत्याएँ, आत्महत्या के सिद्वान्त, आत्महत्या के कारण, आत्महत्या की रोकथाम

अध्याय– 6 संगठित अपराध

अपराध की कानूनी अवधरणा, अपराध की परिभाषाएँ, अपराधें का सामान्य वर्गीकरण, अपराधियों का वर्गीकरण, अपराध के सिद्वान्त, अपराध के कारक, भारत में अपराध–निरोध, अपराध तथा अपराधियों के बदलते स्वरूप, अपराध और अपराधियों के नये प्रतिमान

अध्याय– 7 श्वेत–वसन अपराध

Dr. Anita Singh
Incharge NAAC Criteria-I
PSSOU, CG Bilaspur

श्वेत– वसन अपराध की परिभाषाएँ, श्वेत– वसन अपराध की विशेषताएँ, श्वेत– वसन अपराध के प्रमुख रूप, श्वेत–वसन अपराध के कारण, श्वेत–वसन अपराध के परिणाम, श्वेत– वसन अपराध को रोकने के सुझाव

अध्याय– 8 आतंकवाद

आतंकवाद की अवधरणा, आतंकवाद के प्रकार, भारत एवं विश्व में आतंकवाद की समस्या, आतंकवाद के कारण, आतंकवाद के दुष्परिणाम, आतंकवाद को दूर करने के प्रयत्न एवं सुझाव

अध्याय– 9 सामाजिक परिवर्तन की प्रकृति

सामाजिक परिवर्तन का अर्थ एवं परिभाषाएँ, सामाजिक परिवर्तन की विशेषताएँ, सामाजिक परिवर्तन की प्रक्रियाएँ अथवा स्वरूप, सामाजिक परिवर्तन का रेखीय सिद्वान्त, सामाजिक परिवर्तन का चक्रीय सिद्वान्त, सामाजिक परिवर्तन के प्रतिमान, सामाजिक परिवर्तन एवं सांस्कृतिक परिवर्तन, सामाजिक एवं सांस्कृतिक परिवर्तन में अन्तर, सामाजिक परिवर्तन के सामान्य कारक

अध्याय– 10 भारत में सामाजिक परिवर्तन

भारत में, सामाजिक परिर्वतन, सामाजिक संस्थाओं में परिवर्तन, सामाजिक मूल्यों एवं मनोवृत्तियों में परिवर्तन, लोकतात्रिाक संरचना तथा सामाजिक परिवर्तन, भारत में सामाजिक परिवर्तन के कारक

खण्ड (3)

अध्याय– 11 भारत में अपराध

भारत में अपराध के कारण, सामाजिक दशाएँ और प्रथाएँ, विवाह के आधार में परिवर्तन, जातिप्रथा और जातिवाद, जनसंख्या की समस्या, आर्थिक दशाएँ, विलासी साहित्य, चल–चित्र, शिक्षा, फैशन

अध्याय– 12 सामाजिक विघटन

सामाजिक विघटन की अवधरणा, सामाजिक विघटन की परिभाषाएँ, सामाजिक विघटन के लक्षण, सामाजिक विघटन एक प्रक्रिया है, सामाजिक विघटन के कारण, सामाजिक विघटन के परिणाम, सामाजिक विघटन का समाज पर प्रभाव, सामाजिक विघटन के सिद्धांत

अध्याय– 13 मद्यपान

मद्यपान की परिभाषा, मद्यपान की प्रकृति, नशीली दवाओं के सामान्य प्रभाव, मद्यपान के प्रभाव, मद्यनिषेध के प्रयत्न, मद्यनिषेध की समस्याएँ और कठिनाइयाँ, मद्यनिषेध से लाभ

अध्याय– 14 मादक द्रव्य–व्यसन

मद्यपान का अर्थ, मादक द्रव्य–व्यसन का अर्थ, मादक द्रव्य–व्यसन के कारण, मादक द्रव्य– व्यसन के दुष्परिणाम, समस्या के समाधन हेतु सुझाव, भारत में नशा–निषेध

अध्याय– 15 भिक्षावृत्ति

भिक्षावृत्ति की परिभाषाएँ, भिखारियों का वर्गीकरण, भिक्षावृत्ति के कारण, भिक्षावृत्ति उन्मूलन के सुझाव, भिक्षावृत्ति निवारण कानून (1961)

Dr. Anita Singh
Incharge NAAC Criteria-I
PSSOU, CG Bilaspur

खण्ड (4)

अध्याय– 16 दण्ड

दण्ड की परिभाषाएँ, दण्ड के उददेश्य, आदर्श दण्ड पद्वति की विशेषताएँ

अध्याय– 17 दण्ड के प्रमुख सिद्धांत

प्रायश्चित का सिद्वान्त, प्रतिशोधत्मक का सिद्वान्त, प्रतिरोधात्मक सिद्वान्त, निरोधत्मक सिद्धांत सुधरात्मक सिद्वान्त, सुधरात्मक सिद्धांत की आलोचना

अध्याय– 18 प्रोबेशन और पैरोल

प्रोबेशन की परिभाषाएँ, प्रोबेशन के उद्देश्य, प्रोबेशन हेतु योग्यताएँ, प्रोबेशन की दशाएँ, प्रोबेशन के लाभ, प्रोबेशन के दोष, पैरोल, पैरोल की परिभाषाएँ, पैरोल की विशेषताएँ, पैरोल की दशाएँ, पैरोल के लाभ, पैरोल के दोष

अध्याय– 19 भ्रष्टाचार

भ्रष्टाचार का अर्थ, भारत में भ्रष्टाचार की समस्या, राजनीतिज्ञों में भ्रष्टाचार, सरकारी सेवाओं में भ्रष्टाचार, व्यापारियों में भ्रष्टाचार, व्यवसायियों में भ्रष्टाचार, धार्मिक जीवन में भ्रष्टाचार, भ्रष्टाचार के कारण, भ्रष्टाचार के दुष्परिणाम, भ्रष्टाचार उन्मूलन : प्रयत्न एवं सुझाव

अध्याय– 20 पुलिस

पुलिस की परिभाषा, पुलिस का ऐतिहासिक उद्विकास, भारतीय पुलिस कार्यात्मक संगठन, अपराध नियंत्रण में पुलिस की भूमिका, पुलिस की असफलता के कारण, सफलता के लिए सुझाव

अध्याय– 21 बन्दीगृह

बन्दीगृह की परिभाषाएँ, बन्दीगृह के तत्व, बन्दीगृह के उद्देश्य, बन्दीगृह के प्रमुख दोष, सुधार के उपाय, मध्य प्रदेश में बन्दीगृह, बन्दीगृहों का वर्गीकरण, बन्दीगृहों की क्षमता, कैदियों का वर्गीकरण, अभियोग परीक्षा वाले कैदी, खुले बन्दीगृहो की विशेषताएँ, भारत में खुले बन्दीगृह

Dr. Anita Singh
Incharge NAAC Criteria-I
PSSOU, CG Bilaspur

जनजातीय समाजशास्त्रा
(द्वितीय प्रश्नपत्र)

खण्ड (1)

अध्याय- 1 जनजाति की अवधरणा

जनजाति का अर्थ एवं परिभाषाएँ, अनुसूचित जनजातियाँ, जनजातीय समाज की विशेषताएँ, जनजाति एवं जाति, भारतीय जनजातियों का परिचय, जनजातीय जनसंख्या, जनजातीय साक्षरता, प्रजातीय वर्गीकरण, भाषायी वर्गीकरण, संस्कृतिक वर्गीकरण,

अध्याय- 2 जनजातीय समाजशास्त्र

जनजातीय समाजशास्त्र का अर्थ एवं परिभाषाएँ, जनजातीय समाजशास्त्र की प्रकृति, जनजातीय समाजशास्त्र का क्षेत्र, जनजाति–जाति सातत्यक,

अध्याय- 3 अनुसूचित जनजाति के लिए संवैधानिक सुरक्षा, जनजातीय नीतियाँ, विकास तथा कल्याण कार्यक्रम

अनुसूचित जनजातियों के लिए संवैधनिक प्रावधान, अनुसूचित जनजाति के विकास से सम्बन्धित प्रावधान, अनुसूचित क्षेत्रों तथा जनजातीय क्षेत्रों का प्रशासन, अनुसूचित क्षेत्रो का प्रशासन, जनजातीय क्षेत्र, जनजातीय क्षेत्रों की प्रमुख विशेषताएँ, जिला क्षेत्रीय परिषदों का संस्थापन, भू–राजस्व निर्धारण तथा संग्रह एवं करारोपण की शक्तियाँ, जनजातीय नीतियाँ, सात्मीकरण, एकीकरण, जनजाति विकास की योजनाएँ तथा कार्यक्रम,

अध्याय- 4 जनजातीय लोगों का वर्गीकरण

आजीविका के साधनों का विकास प्राचीन ढंग से संचय एवं शिकार करना, शिकार और शिकार के तरीके, शिकारियों का सामाजिक जीवन, आधुनिक शिकार, वन वस्तुओं का संचय, लकड़ी काटने का उद्योग, लकड़ी काटने वालों का सामाजिक जीवन, मछली पकड़ना, कृषि एवं उसके प्रकार, आधुनिक हल द्वारा कृषि एवं उसके प्रकार, मानव की पौधा पर विजय, कृषि का उद्‌भव एवं विकास।

अध्याय- 5 भारतीय जनजातियों का भौगोलिक, भाषायी वर्गीकरण एवं आर्थिक विभाजन

भारतीय जनजातियों का भौगोलिक वर्गीकरण, भारत की जनजातियों का भाषा के आधार पर वर्गीकरण, आर्थिक आधार पर जनजातियों का वर्गीकरण, भारतीय जनजातीय अर्थव्यवस्था, सांस्कृतिक पृष्ठभूमि के आधर पर जनजातियों का वर्गीकरण

खण्ड (2)

अध्याय- 6 सामाजिक–संस्कृतिक रूपरेखा

संस्कृति का अर्थ, संस्कृति की विशेषताएँ, संस्कृति के अंग, सांस्कृतिक तत्व की विशेषताएँ, संस्कृतिक वृद्धि और परिवर्तन की प्रक्रियाएँ, सभ्यता एवं संस्कृति, संस्कृति एक उपकरण तथा विकास में बाधाएँ, मानव की आवश्यकताएँ तथा उससे संदर्भित सांस्कृतिक विकास की अपेक्षाएँ, विकास और परम्पराओं की विस्थापनीयता, विकास के प्रति जागरूकता का अभाव

Dr. Anita Singh
Incharge NAAC Criteria-I
PSSOU, CG Bilaspur

अध्याय- 7 परिवार एवं विवाह

परिवार का अर्थ एवं परिभाषाएँ, परिवार की विशेषताएँ, भारत में परिवार के प्रकार, भारतीय परिवार के प्रमुख कार्य, भारतीय परिवार की विशेषताएँ, संयुक्त परिवार का अर्थ एवं परिभाषाएँ, संयुक्त परिवार की विशेषताएँ, संयुक्त परिवार की रचना, संयुक्त परिवार के कार्य, भारतीय संयुक्त परिवार की संरचना, संयुक्त परिवार के गुण, संयुक्त परिवार के दोष, हिन्दू विवाह की अवधारणा, हिन्दू विवाह का अर्थ एवं परिभाषा, हिन्दू विवाह के उद्देश्य, हिन्दू विवाह की प्रकृति एवं विशेषताएँ, विवाह के भेद, विवाह की विधियाँ या स्वरूप, हिन्दू विवाह के नियम, हिन्दू विवाह का बदलता स्वरूप, मुसलमानों में विवाह, मुस्लिम विवाह की विशेषताएँ, ईसाईयों में विवाह, ईसाई विवाह में आधुनिक परिवर्तन

अध्याय- 8 नातेदारी

नातेदारी का अर्थ एवं परिभाषाएँ, नातेदारी के प्रकार, नातेदारी की श्रेणियाँ, नातेदारी की रीतियाँ, निकटाभिगमन, निकटाभिगमन के कारण परिहास के सम्बन्ध, परिहास के सम्बन्धें के कारण, माध्यमिक संबोधन, माध्यमिक संबोधन के कारण, प्रथा की मनोवैज्ञानिक व्याख्या, नातेदारी का महत्व।

खण्ड (3)

अध्याय- 9 सामाजिक गतिशीलता

सामाजिक गतिशीलता की परिभाषा, सामाजिक गतिशीलता की विशेषताएँ, सोरोकिन का योगदान, उदग्र गतिशीलता के सामान्य सिद्धांत, उदग्र गतिशीलता के स्त्रोत

अध्याय- 10 जनजातीय विकास

विभिन्न योजनाकाल में जनजातीय विकास, जनजातीय उपयोजना की अवधरणा, मध्यप्रदेश का जनजातीय उपयोजना क्षेत्र, आदिवासी उपयोजना काल में विकास, आर्थिक उन्नयन के कार्यक्रम, स्वास्थ्य एवं अन्य कार्यक्रम, उपलब्धियों का मूल्यांकन, आदिवासी उपयोजना क्षेत्र के विकास का स्तर, आदिवासी विकास का क्षेत्रीय स्वरूप

अध्याय- 11 जनजातीय आन्दोलन

जनजातीय आन्दोलन का अर्थ एवं परिभाषाएँ, आन्दोलन की विशेषताएँ, आन्दोलन के कारण एवं सहायक दशाएँ, भारतीय जनजातियों में आन्दोलन, मध्य भारत की अन्य जातियों में आन्दोलन, छत्तीसगढ में जनजातीय आन्दोलन, राष्ट्रीय चेतना का अभ्युदय, पृथक राज्य

खण्ड (4)

अध्याय- 12 जनजातियों की समस्याएँ

जनजाति का अर्थ एवं परिभाषाएँ, जनजाति की विशेषताएँ, जनजातियों की समस्याएँ, आर्थिक समस्याएँ, संस्कृतिक समस्याएँ, स्वास्थ्य सम्बन्धी समस्याएँ, शिक्षा सम्बन्धी समस्याएँ, सामाजिक समस्याएँ, राजनैतिक समस्याएँ, जनजातियों की समस्याओं के समाधन हेतु उपाय या सुझाव

अध्याय- 13 जनजातीय समस्याएँः निर्धनता, ऋणग्रस्तता एवं भूमि पृथक्करण

जनजातीय समस्याओं के कारण, वन्यजातीय समस्याएँ, वन्यजातीय समस्याओं का निराकरण, भारत में वन्यजातीय कल्याण, निर्धनता,)णग्रस्तता एवं भूमि पृथक्करण,

Dr. Anita Singh
Incharge NAAC Criteria-I
PSSOU, CG Bilaspur

निर्धनता, निर्धनता के परिणाम, ऋणग्रस्तता , ऋणग्रस्तता के कारण, ऋणग्रस्तता के परिणाम, भूमि पृथक्करण, भूमि पृथक्करण के कारण, जनजातीय एवं कृषक समाज, कृषक समाज एवं जनजातीय समाज में समानताएँ, कृषक एवं जनजातीय समाजों में भिन्नताएँ, कृषक एवं जनजातीय समाजों में सहसम्बन्ध

अध्याय- 14 जनजातियों की समस्याएँ (छ.ग. राज्य के सन्दर्भ में)

भारत की राज्यवार अनुसूचित जनजाति जनसंख्या, छत्तीसगढ़ की अनुसूचित जाति एवं जनजाति की संख्या, छत्तीसगढ़ की जनजातियों की सामान्य विशेषताएँ, छत्तीसगढ़ में जनजातीय समस्याएँ, छत्तीसगढ़ की प्रमुख जनजातियाँ

अध्याय- 15 आदिवासी आर्थिक व्यवस्था

अर्थव्यवस्था का अर्थ एवं परिभाषाएँ, आदिम अर्थव्यवस्था की विशेषताएँ, आदिम अर्थव्यवस्था का वर्गीकरण, आर्थिक विकास के प्रमुख स्तर, आदिम समाजों में अर्थव्यवस्था की कार्य प्रणाली, आदिम अर्थव्यवस्था में सम्पत्ति, सम्पत्ति का स्वामित्व : आदिम साम्यवाद, भारतीय जनजातियों का आर्थिक संगठन, खडिया जनजाति का आर्थिक जीवन, कूकी जनजाति का आर्थिक जीवन

Dr. Anita Singh
Incharge NAAC Criteria-I
PSSOU, CG Bilaspur